

डॉ. डेव मैथ्यूसन, न्यू टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 10, ल्यूक: पृष्ठभूमि और विषय-वस्तु

© 2024 डेव मैथ्यूसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेव मैथ्यूसन ल्यूक पर न्यू टेस्टामेंट इतिहास और साहित्य व्याख्यान संख्या 10 प्रस्तुत कर रहे हैं: इसकी पृष्ठभूमि और विषय।

ठीक है, चलो आगे बढ़ें और आगे बढ़ें। मेरे पास आपके लिए बुरी खबर है।

आज एक प्रश्नोत्तरी है लेकिन आपको अंदाज़ा हो जाएगा कि मेरी एक प्रश्नोत्तरी कैसी दिखती है। तो, हम उससे शुरुआत करेंगे और फिर मैं ल्यूक के सुसमाचार की ओर बढ़ना चाहता हूँ। एक अन्य घोषणा यह भी है कि निश्चित रूप से, हालांकि मैंने अभी भी अपने टीए के साथ समय निर्धारित नहीं किया है, बुधवार शाम को संभवतः इसी कमरे में किसी समय अतिरिक्त क्रेडिट सत्र की समीक्षा होगी।

इसलिए जैसे ही मुझे विवरण मिल जाएगा, मैं उन्हें आपको ईमेल कर दूंगा। इसलिए, यदि कोई ईमेल न्यू टेस्टामेंट क्लास से आता है, तो सुनिश्चित करें कि आप उसकी जाँच कर लें। फिर से, मैं आपको याद दिला दूँ कि आप में से कुछ लोग अकादमिक सहायता केंद्र के माध्यम से अन्य समीक्षा सत्रों में भी भाग ले रहे होंगे।

उन्हें अतिरिक्त क्रेडिट के लिए नहीं गिना जाता। यह वह सत्र है जो मेरा टीए बुधवार शाम को आयोजित करेगा जो अतिरिक्त क्रेडिट के लिए गिना जाएगा। पुनः, जैसे ही मुझे पता चलेगा कि यह बैठक कब होगी, कब होगी और कहाँ होगी, मैं आपको बता दूँगा, लेकिन यह संभवतः यहीं इसी कमरे में होगी।

ठीक है, आइए प्रार्थना के साथ शुरुआत करें, और फिर मैं आपकी प्रश्नोत्तरी दूंगा।

पिता, अपने लिखित वचन में अपने आप को हमारे सामने प्रकट करने के लिए आपको फिर से धन्यवाद, लेकिन हमें एहसास है कि यह हमें आपके रहस्योद्घाटन और आपके पुत्र, यीशु मसीह, हमारे लिए आपके अंतिम रहस्योद्घाटन के रूप में आपके प्रकटीकरण से परे इंगित करने के लिए कार्य करता है। और मैं प्रार्थना करता हूँ कि जैसे-जैसे हम सुसमाचार के माध्यम से काम करते हैं, हम उस जीवित शब्द के साथ एक नए तरीके से सामना करेंगे और जिस तरह से पवित्रशास्त्र स्वयं कहता है उस तरह से प्रतिक्रिया करने के लिए अधिक दोषी और प्रोत्साहित होंगे। यीशु के नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं। तथास्तु।

कृपया सुनिश्चित करें कि आपको बायीं ओर के कॉलम में रिक्त स्थान दिखाई दे रहा है।

सुनिश्चित करें कि आपने वहां अपना उत्तर सही अक्षर से दर्ज किया है। इसे घेरा मत बनाओ। यदि आप चाहें तो आप इसे सर्कल कर सकते हैं, लेकिन जो ग्रेड किया जाएगा वह उन रिक्त स्थानों के साथ बाएं हाथ का कॉलम है।

इसलिए, सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर प्रश्नोत्तरी के बाईं ओर के कॉलम में उस स्थान पर दर्ज किया गया है। फिर, यह पूरी तरह से आपकी पाठ्यपुस्तक पढ़ने पर आधारित है। कक्षा में हमने जो भी बात की है उसमें कोई भी पत्राचार या ओवरलैप होना संयोग है।

पाँच के पास उत्तर नहीं हैं। ठीक है, यह मेरी ओर से आपको निःशुल्क उपहार है। आपमें से कुछ लोगों के पास इसका उत्तर है।

उसके बारे में चिंता मत करो. पाँच, यह मेरा तुम्हारे लिए उपहार है। अरे हाँ, पाँचवाँ नंबर।

मुझे यकीन नहीं है कि क्या हुआ. मेरा कंप्यूटर खराब हो गया। अध्याय संख्या छह, यदि आपके पास संख्या छह है जिसके अंतर्गत उत्तरों के दो सेट हैं, तो यह दूसरा सेट है।

उस पहली पंक्ति को अनदेखा करें जो मार्क, जॉन, एक्ट्स और रोमन्स कहती है। उस पर ध्यान न दें. संख्या छह का सही उत्तर यह है कि यीशु एक रब्बी था, और पुराने नियम के कानून का पालन किया जाना चाहिए।

यार, मुझे इन्हें लगभग इकट्ठा कर लेना चाहिए और फिर से शुरू करना चाहिए। नहीं, यह भी अच्छा विचार नहीं होगा. नहीं, नहीं, नहीं।

नहीं. ठीक है. हाँ हाँ हाँ।

हाँ। ठीक है। आप ठीक कह रहे हैं।

अंक छः। हाँ, छठा नंबर पहला सेट है। यह सही है।

यह प्रश्नोत्तरी बी है। नंबर पांच के लिए, यह हर किसी के लिए मुफ्त है। नंबर छह, बी, उत्तरों का पहला सेट है। मार्क, जॉन, एक्ट्स और रोमन्स, ये वे विकल्प हैं जिनमें से आप चुनते हैं।

दो अलग-अलग प्रश्नोत्तरी हैं. शीर्ष पर एक अक्षर A और एक अक्षर B है। यदि आपके पास अक्षर A है, तो आप ठीक हैं।

इसकी चिंता मत करो. आपको अभी भी पाँचवाँ नंबर मुफ्त मिलता है। लेकिन यदि आपके पास अक्षर बी, संख्या छह, उत्तरों का पहला सेट, मार्क, जॉन, एक्ट्स और रोमन हैं, तो आप इनमें से चयन कर रहे हैं।

बाकी को आप नजरअंदाज कर सकते हैं. ठीक है। उन्हें सौंप दो.

उन्हें सिरों तक हाथ दें और फिर आगे की ओर ले जाएं। मैं आपसे अगले प्रश्नोत्तरी का वादा करता हूँ, उम्मीद है कि अगला प्रश्नोत्तरी कम भ्रमित करने वाला होगा। मुझे यकीन नहीं है कि क्या हुआ.

लेकिन मैं हमेशा इसका दोष अपने कंप्यूटर पर डालता हूँ। लेकिन मैं गॉस्पेल के बारे में बात करना जारी रखना चाहता हूँ। हम सुसमाचार क्रमांक तीन की ओर आगे बढ़ेंगे।

और हम जो कर रहे हैं वह इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा है कि चार सुसमाचारों में से प्रत्येक में क्या विशिष्ट है, जहां तक कि उन्हें एक साथ कैसे रखा जा सकता है, वे किस प्रकार के विषयों पर जोर देते हैं, वगैरह। और इसलिए, हम ल्यूक के साथ भी ऐसा ही करेंगे। हम सवाल पूछेंगे कि ल्यूक के बारे में क्या अनोखा है? यह मैथ्यू, मार्क और जॉन के विरुद्ध भी किस बात पर जोर देता प्रतीत होता है? यह यीशु को चित्रित करने का अनोखा तरीका क्या है? हमने देखा कि मैथ्यू, मैथ्यू यीशु को मुख्य रूप से डेविड के पुत्र, यहूदियों और अन्यजातियों के मसीहा के रूप में चित्रित करता है।

मैथ्यू ने यीशु को एक शिक्षक के रूप में चित्रित किया है, उसे यीशु को ईश्वर के पुत्र के रूप में नामित करने के मैथ्यू के पसंदीदा शब्दों में से एक के रूप में चित्रित किया है। वह पुराने नियम की पूर्ति भी है। पुराने नियम की सभी कहानियाँ यीशु में अपना चरमोत्कर्ष पाती हैं।

और वह नया मूसा है। हमने मार्क के साथ देखा, कि मार्क मुख्य रूप से यीशु को ईश्वर और विजयी दोनों के रूप में चित्रित करता है, फिर भी एक इंसान के रूप में, शायद उसकी पीड़ा और उसके जुनून पर जोर देता है, शायद उस स्थिति और दर्शकों के कारण जिसे मार्क संबोधित कर रहा है। तो, जिस तरह से ल्यूक ने यीशु को चित्रित किया है उसमें अनोखा क्या है? खैर, हम यह देखकर शुरुआत करेंगे कि ल्यूक किस प्रकार की किताब है।

सबसे पहले, और आशा है कि आपने अपने अध्ययन में, ल्यूक पर न्यू टेस्टामेंट के अपने परिचय में यह समझा होगा कि क्या वास्तव में ल्यूक है, और मुझे लगता है कि हमने सेमेस्टर की शुरुआत में भी इस बारे में बात की थी, ल्यूक वास्तव में है ल्यूक और एक्ट्स से युक्त दो खंडों वाले कार्य का एक भाग। इसलिए जब आप ल्यूक का पहला अध्याय पढ़ते हैं और फिर आप प्रेरितों के काम के पहले अध्याय पर जाते हैं, तो यह स्पष्ट है कि वे एक साथ हैं। वे मूल रूप से दो-खंड का काम थे।

ऐसे सिद्धांत हैं कि वे क्यों विभाजित हुए, लेकिन ल्यूक और एक्ट्स अब एक साथ क्यों नहीं हैं इसका कम से कम एक कारण ल्यूक है, फिर, नए नियम में, ल्यूक उन अन्य पुस्तकों के साथ जाता है जिनसे वह मिलती जुलती है, अन्य सुसमाचार, मैथ्यू, मार्क, और जॉन. और फिर अधिनियम, जैसा कि हमने देखा, विशेष रूप से पॉल के पत्रों के लिए, लेकिन कुछ मामलों में शेष नए नियम के लिए एक उपयुक्त परिचय प्रदान करता है। और यह सुसमाचार और यीशु के अनुयायियों के बीच एक उपयुक्त पुल है जो उस कार्य को पूरा करते हैं जिसे यीशु ने शुरू किया था, और फिर उन पत्रों तक विस्तारित किया जो अधिनियमों के कुछ मुख्य पात्रों ने वास्तव में लिखे थे, जैसे कि पॉल के पत्र, पीटर के पत्र, आदि वगैरह.

तो, ल्यूक और एक्ट्स वास्तव में एक साथ हैं। ल्यूक दो-खंडों के काम में से एक था, जब उन्हें न्यू टेस्टामेंट में शामिल किया गया था, तो उन्हें विभाजित किया गया था, और ल्यूक अन्य पुस्तकों के साथ जाता है जो मैथ्यू, मार्क और जॉन से मिलती जुलती हैं। ल्यूक वास्तव में, अन्य सुसमाचारों के

विपरीत, ल्यूक वास्तव में हमें इस बारे में काफी कुछ बताता है कि उसने अपना सुसमाचार कैसे लिखा और उसने इसे क्यों लिखा।

पहले चार छंदों में, ल्यूक के पहले चार छंद पहली सदी की एक विशिष्ट ग्रीको-रोमन जीवनी से काफी समानता रखते हैं। ल्यूक इन पहले चार छंदों में बहुत सारी शब्दावली का उपयोग करता है। और ल्यूक हमें स्पष्ट रूप से बताता है कि वह क्यों लिख रहा है और उसने अपना काम कैसे लिखा।

तो, शुरू करते हुए, मैं सिर्फ पहले चार छंदों को पढ़ूंगा क्योंकि कई लोगों ने उन घटनाओं का एक व्यवस्थित विवरण स्थापित करने का बीड़ा उठाया है जो हमारे बीच पूरी हुई हैं, जैसे कि वे हमें उन लोगों द्वारा सौंपी गई थीं जो शुरू से ही प्रत्यक्षदर्शी थे और वचन के सेवकों, हे परम श्रेष्ठ थियोफिलस, मैंने भी शुरू से ही सब बातों की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद आपके लिए एक व्यवस्थित विवरण लिखने का निर्णय लिया है। थियोफिलस संरक्षक रहा होगा, वह व्यक्ति जिसने ल्यूक के लेखन को वित्त पोषित किया, ताकि आप उन चीजों के बारे में सच्चाई जान सकें जिनके बारे में आपको निर्देश दिया गया है। अब, ये पद हमें बहुत सी बातें बताते हैं।

सबसे पहले, ल्यूक स्पष्ट रूप से अन्य लिखित स्रोतों से अवगत है। और मुझे लगता है कि हमने पहले ही ल्यूक 1, 1 से 4 के बारे में थोड़ी बात की थी, जब हमने सुसमाचारों की विश्वसनीयता पर चर्चा की थी। लेकिन ल्यूक हमें बताता है कि वह अन्य लिखित स्रोतों से अवगत है जो ईसा मसीह के जीवन के मुद्दे या ईसा के जीवन और शिक्षा के अन्य विवरणों को संबोधित करते हैं।

इनमें से एक या अधिक मार्क या मैथ्यू रहे होंगे। ल्यूक हमें नहीं बताता है, लेकिन वह मसीह के जीवन के अन्य वृत्तांतों से अवगत है जो ल्यूक स्पष्ट रूप से आकर्षित करता है। और शायद सुझाव यह भी है कि ल्यूक उन्हें कुछ हद तक अपर्याप्त पाता है इसलिए अब वह उन्हें पूरक करेगा या उन चीजों का विवरण लिखेगा जिन पर वह मसीह के जीवन के बारे में जोर देना चाहता है।

दूसरा, ल्यूक चश्मदीदों पर भी निर्भर है। वह उन चीजों के बारे में बात करता है जो उन लोगों द्वारा सौंपी गई हैं जो इन घटनाओं के पहले गवाह थे। तो, जाहिरा तौर पर ल्यूक न केवल लिखित स्रोतों और लिखित खातों पर भरोसा करता है बल्कि प्रत्यक्षदर्शी रिपोर्टों पर भी भरोसा कर रहा है।

कुछ लोग सोचते हैं कि पहले कुछ अध्यायों की सामग्री, विशेष रूप से, जहां आपके पास ईसा मसीह के जन्म के बारे में मैरी या एलिजाबेथ के कुछ विस्तृत शब्द हैं, संभवतः प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा उन्हें दी गई थी। यह एक संभावना है। लेकिन ल्यूक स्पष्ट रूप से प्रत्यक्षदर्शियों की निर्भरता से अवगत है जिन पर वह अपने स्वयं के सुसमाचार के लेखन में भरोसा करता है।

दिलचस्प बात यह है कि ल्यूक ने स्वयं ईसा मसीह के जीवन का अपना वृत्तांत लिखने का निर्णय लिया। फिर, ल्यूक को अन्य स्रोत या अन्य विवरण अपर्याप्त लगे होंगे, या कम से कम उन चिंताओं को संबोधित नहीं किया गया होगा जिन्हें वह मसीह के जीवन के बारे में संबोधित करना चाहता है, लेकिन ल्यूक ने स्वयं अपना विवरण लिखने का निर्णय लिया है। यह दिलचस्प है कि

बहुत पहले, ल्यूक के गॉस्पेल की कई प्रारंभिक लैटिन पांडुलिपियों में वह वाक्यांश शामिल था, यह मुझे अच्छा लगा।

ऐसी कई लैटिन पांडुलिपियाँ हैं जो कहती हैं, यह मुझे और पवित्र आत्मा को अच्छा लगा, जैसे कि श्लोक 1-4 बहुत अधिक ऐसे लगते हैं जैसे यह ल्यूक का अपना काम है। इसे प्रेरित धर्मग्रंथ के रूप में स्वीकृत करने के लिए, लैटिन भाषा के आरंभिक कुछ दस्तावेज़ों में पवित्र आत्मा को जोड़ा गया है, जो वास्तव में एक वाक्यांश है जिसे आप प्रेरितों के काम अध्याय 15 में ल्यूक के अन्य लेखन में पाते हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि ल्यूक हमें नहीं बताता है या कोई संकेत दें कि वह पवित्र आत्मा की प्रेरणा से लिख रहा है।

फिर, आप देखेंगे कि सभी लेखक इस बात से अवगत नहीं हैं कि वे वह संचार कर रहे हैं जो ईश्वर के रहस्योद्घाटन से कम नहीं है, और ल्यूक को नहीं लगता कि वह पहली शताब्दी की सामान्य ग्रीको-रोमन जीवनी के अलावा कुछ भी लिख रहे हैं। फिर भी, एक ही समय में, भगवान की आत्मा, हालांकि ल्यूक में स्पष्ट नहीं है, फिर भी शामिल है, इसलिए उत्पाद ल्यूक के दोनों शब्दों से कम नहीं है, बल्कि अपने लोगों के लिए भगवान के शब्दों से भी कम नहीं है। और फिर अंततः, ल्यूक एक व्यवस्थित कथा लिखेगा।

इस पुस्तक की सटीकता और क्रम पर जोर दिया गया है, हालाँकि क्रमबद्धता से हमें इसका तात्पर्य आवश्यक रूप से कालानुक्रमिक क्रम से नहीं लेना चाहिए। कभी-कभी ल्यूक, जैसा कि पहली शताब्दी की जीवनीयों के समय विशिष्ट था, ल्यूक कालानुक्रमिक के बजाय सामग्री को विषयगत या सामयिक रूप से व्यवस्थित करता है। कभी-कभी कुछ सामग्री जो आपको मैथ्यू में एक ही स्थान पर मिलती है, वह ल्यूक में एक अलग स्थान पर होगी, या यदि यह मार्क में एक स्थान पर है, तो यह ल्यूक में एक अलग स्थान पर हो सकती है।

फिर, ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि ल्यूक भ्रमित था या उसे समझ नहीं आया कि ये चीजें कब घटित हुईं। यह सिर्फ इतना है कि कभी-कभी, सुसमाचार लेखकों में से एक, मैथ्यू, मार्क और ल्यूक, चीजों को उनके घटित होने के क्रम के बजाय शीर्ष पर व्यवस्थित करना चुन सकते हैं। और इसलिए, तथ्य यह है कि ल्यूक एक व्यवस्थित खाता लिखता है इसका मतलब यह नहीं है कि ल्यूक अन्य सुसमाचारों की तुलना में कालानुक्रमिक रूप से अधिक सटीक है।

फिर, वह कभी-कभी अपनी पुस्तक को सामयिक रूप से व्यवस्थित कर सकता है और घटनाओं के घटित होने के क्रम के बजाय विषय के आधार पर आगे बढ़ सकता है। लेखक के बारे में क्या? हम ल्यूक के बारे में क्या जानते हैं? ल्यूक, जैसा कि आपकी पाठ्यपुस्तक ने हमें बताया, ल्यूक, जैसा कि परंपरा है, एक चिकित्सक था, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ल्यूक पॉल का सहयोगी था, जो यह समझ सकता है कि ल्यूक के सुसमाचार को पवित्रशास्त्र में क्यों शामिल किया जाएगा। भले ही ल्यूक स्वयं यीशु का प्रेरित नहीं था, वह स्पष्ट रूप से पॉल का करीबी सहयोगी था, जो यीशु के प्रेरितों में से एक था।

तो, यह संभव है कि ल्यूक की पुस्तक को अन्य सुसमाचारों, मैथ्यू, मार्क और जॉन के साथ शामिल करने पर भी इसका प्रभाव पड़ा हो। दिलचस्प बात यह है कि यह प्रदर्शित करने के लिए

कि जब आप ल्यूक और एक्ट्स को एक साथ रखते हैं तो ल्यूक और एक्ट्स एक साथ चलते हैं, वास्तव में, एक दिलचस्प संरचना या व्यवस्था उभरती है जो कुछ इस तरह दिखती है। सबसे पहले, ल्यूक, और यह एक है, खैर मैं थोड़ी देर में पैटर्न के बारे में बात करूंगा।

रोमन दुनिया के संदर्भ में ल्यूक की शुरुआत यीशु से होती है। क्या आपको याद है कि अध्याय 2, तथाकथित क्रिसमस कहानी, कैसे शुरू होती है? यह उन दिनों में हुआ या हुआ जब सीज़र ऑगस्टस, सीज़र ऑगस्टस का संदर्भ, और संदर्भ सीरिया के गवर्नर किरिनियस का है। दूसरे शब्दों में, यीशु, ल्यूक यीशु के जन्म को बेथलेहम में लेने और इसे संपूर्ण रोमन दुनिया के संदर्भ में रखने का एक बड़ा मुद्दा बनाते हैं।

इसीलिए वह उस समय के सम्राट के रूप में किरिनियस और सीज़र ऑगस्टस का उल्लेख करता है क्योंकि वह स्पष्ट कर रहा है कि यीशु, वह यीशु के जन्म को न केवल बेथलेहम और यरूशलेम और यहूदिया के संदर्भ में रख रहा है, बल्कि संपूर्ण ग्रीको-रोमन दुनिया के संदर्भ में रख रहा है। इसलिए, ल्यूक पहले कुछ अध्यायों में व्यापक रोमन दुनिया से शुरुआत करता है। फिर ल्यूक समाप्त होता है, ल्यूक यरूशलेम पर जोर देने के साथ समाप्त होता है।

ल्यूक के अंत में जो कुछ भी घटित होता है वह यरूशलेम में घटित होता है। वास्तव में, ल्यूक में यीशु की यात्रा या यरूशलेम की ओर यात्रा करने पर जोर दिया गया है, इसलिए सब कुछ यरूशलेम शहर में समाप्त होता है। अब, प्रेरितों के काम की पुस्तक वहीं से शुरू होती है जहां ल्यूक यीशु को यरूशलेम में अपने अनुयायियों को दर्शन देकर समाप्त करता है।

अधिनियम यरूशलेम में शुरू होता है और अधिनियम 2 को पेंटेकोस्ट के दिन पवित्र आत्मा के उंडेले जाने के साथ याद करें, जो यरूशलेम में होता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि, प्रेरित पौलुस और प्रेरितों के उपदेश के माध्यम से अंततः सुसमाचार रोमन दुनिया तक पहुंचने के साथ, अधिनियम व्यापक रोमन दुनिया के भीतर समाप्त होता है। तो यही ज्ञात है, यह एक साहित्यिक संरचना है, क्या किसी को पता है कि इसे क्या कहा जाता है? इसे चियास्म कहा जाता है जहां शुरुआत और अंत समान होते हैं और फिर मध्य भाग भी समान होते हैं।

ऐसा तब होता है जब कोई कार्य अंदर की ओर बढ़ता है और फिर वह खुद को दोहराता है और वापस बाहर की ओर बढ़ता है, इसे चियास्म के रूप में जाना जाता है। और ल्यूक और एक्ट्स को इसी के अनुसार व्यवस्थित किया गया प्रतीत होता है। फिर से, व्यापक रोमन दुनिया के संदर्भ में शुरू होकर, यरूशलेम में समाप्त होता है, फिर यरूशलेम में अधिनियम शुरू होता है और रोमन दुनिया को गले लगाने के लिए सुसमाचार फैलता है।

तो ऐसा प्रतीत होता है कि यह ल्यूक की ओर से जानबूझकर किया गया है। मैं जो करना चाहता हूं वह बस ल्यूक के कुछ महत्वपूर्ण या प्रमुख अंशों पर जोर देना और संक्षेप में बात करना है जो वास्तव में प्रतिबिंबित करते हैं कि वह क्या करने की कोशिश कर रहा है, या कम से कम कुछ अनोखी चीजें जो वह करना चाहता है। और पहला पड़ाव बिंदु ल्यूक अध्याय 2 है। ल्यूक अध्याय 2 है, इससे पहले कि मैं उस पर गौर करूं, वैसे, क्या हर कोई पृष्ठ देखता है, मुझे लगता है कि यह आपके नोट्स में पृष्ठ 16 है, मेरे पास यह रूपरेखा है।

यह वास्तव में यहां के प्रोफेसरो में से एक पॉल बोरगमैन की ल्यूक पर लिखी किताब से आया है, जो उन्होंने अंग्रेजी के प्रोफेसर ल्यूक पर लिखी थी। और उन्होंने एक कुंजी का सुझाव दिया, ध्यान दें कि यह रूपरेखा आपके नोट्स में एक चियास्म की तरह दिखती है। आरंभ और अंत एक ही है, यह मध्य में काम करता है।

अब, फिर से, मैं इसे यहां नहीं रख रहा हूं क्योंकि मैं इसके सभी विवरणों से सहमत हूं। यह सिर्फ एक उदाहरण है कि ल्यूक को कैसे समझा जा सकता है और इस सिद्धांत के अनुसार कोई कार्य कैसे व्यवस्थित कर सकता है। फिर से, आप एक तरह से शुरुआत करते हैं और मध्य तक काम करते हैं और फिर किताब वापस काम करती है।

और कभी-कभी यह वही होता है जो केंद्र में होता है, जैसा कि मैंने यहां मोटे तौर पर कहा है, यह वह है जो केंद्र में है और अक्सर कई बार इस पर जोर दिया जाता है। लेकिन आइए प्रमुख अंशों, ल्यूक अध्याय 2 पर वापस जाएं। ल्यूक अध्याय 2 की शुरुआत, फिर से, ल्यूक की क्रिसमस कहानी के विवरण से होती है, जो वास्तव में आपको उस चीज़ से परिचित कराती है जो ल्यूक के लिए महत्वपूर्ण है। अर्थात्, ल्यूक ने इस तथ्य को बड़ा मुद्दा बना दिया है कि यीशु, उस विवरण के विपरीत है जो आपने मैथ्यू में पढ़ा है, जहां मैथ्यू में, यीशु को एक तरह से शाही स्वागत मिलता है।

वह बेथलेहम में है, लेकिन वह बेथलेहम में है क्योंकि वह राजा हेरोदेस के लिए खतरा है। ये विदेशी गणमान्य व्यक्ति उनसे मिलने आते हैं जो यशायाह अध्याय 60 की पूर्ति के लिए उनके लिए महंगे उपहार लाते हैं। लेकिन ल्यूक में, यह बिल्कुल विपरीत है।

यीशु को न केवल विनम्र, बल्कि अपमानजनक प्रकार की परिस्थितियों में जन्म लेने के रूप में चित्रित किया गया है। यह ल्यूक के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कुंजी है, कि वह न केवल यीशु की अपमानजनक परिस्थितियों पर जोर देने जा रहा है, बल्कि इस तथ्य पर भी कि सुसमाचार उन परिस्थितियों और लोगों के समूहों में जड़ें जमाता है जिन्हें घृणित और समाज के हाशिए पर माना जाता है। तो ऐसा क्यों है कि ल्यूक यीशु से मिलने आने वाले बुद्धिमान लोगों के बारे में बात नहीं करता? खैर, शायद वह उनके बारे में नहीं जानता था, या हो सकता है कि वह जानता हो, लेकिन निश्चित रूप से वे उसके उद्देश्य के अनुरूप नहीं थे।

इसके बजाय, ल्यूक ने चरवाहों को यीशु से मिलने के लिए बुलाया क्योंकि यह उसके उद्देश्य पर पूरी तरह फिट बैठता है। ल्यूक जोर देना चाहता है, और हम इसे कुछ अन्य स्थानों पर देखेंगे, ल्यूक इस बात पर जोर देना चाहता है कि सुसमाचार सामाजिक बहिष्कार, समाज के घृणित तत्वों तक जाता है। तो, उसके पास चरवाहे हैं, मुझे पता है कि हमने चरवाहों को बेथलेहम के आरामदायक पहाड़ों में रहने वाले इन अद्भुत लोगों के रूप में आकर्षक बना दिया है, जो चरनी में यीशु को देखने आते हैं, लेकिन चरवाहे एक तरह से सबसे निचले पायदान पर रहे होंगे। सामाजिक सीढ़ी।

वे एक प्रकार से निम्र और बाहरी, या समाज के घृणित व्यक्ति थे। और इसलिए, ल्यूक ने चरवाहों को आने और यीशु की पूजा करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि यह सुसमाचार के बाकी हिस्सों में

उसके विषय के अनुरूप होगा, कि यीशु समाज के अंतिम छोर तक, उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें बाकी सभी लोग अस्वीकार करते हैं, सामाजिक रूप से बहिष्कृत लोगों तक। वह उस विषय की शुरुआत इन घृणित चरवाहों की ओर ध्यान आकर्षित करके करता है जो यीशु के पास आते थे और उसके जन्म के समय उसकी पूजा करते थे।

इसलिए, ल्यूक 2 इस दृश्य को स्थापित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि ल्यूक क्या करने जा रहा है और वह यीशु को कैसे चित्रित करने जा रहा है और वह यीशु द्वारा अपने लोगों के लिए लाए गए उद्धार को कैसे समझेगा। मैंने केंद्रीय खंड के बारे में थोड़ी बात की। पुनः, इस उदाहरण में, यदि आप उसे देखना चाहते हैं तो मैंने आपको प्रोफेसर बोगमैन की पुस्तक दी है।

लेकिन फिर, यह केंद्रीय खंड को समझने का सिर्फ एक तरीका है। यह सर्वविदित है कि ल्यूक के पास फिर से एक केंद्रीय खंड है जिसे अक्सर यात्रा वृत्तांत कहा जाता है। फिर, जहां यीशु यरूशलेम की यात्रा कर रहे हैं, जिसका चरमोत्कर्ष उनकी मृत्यु और उनके पुनरुत्थान में होगा।

और यह सिर्फ एक है, फिर से, जब आप इसे देखते हैं, तो यह एक प्रकार का चिआस्म है। बहुत अधिक विस्तृत जानकारी को छोड़कर, यह बिल्कुल ऐसा ही दिखता है। लेकिन यह ल्यूक के केंद्रीय भाग को देखने का एक संभावित तरीका है।

फिर, आप जो देख सकते हैं वह यह है कि ल्यूक सिर्फ बैठकर अपने दिमाग के ऊपर से एक कहानी नहीं लिख रहा है। इसे बहुत अच्छी तरह से तैयार किया जा सकता है और एक साथ रखा जा सकता है और सावधानीपूर्वक संरचित किया जा सकता है क्योंकि वह मसीह के जीवन का अपना व्यवस्थित विवरण लिखता है। अब, ल्यूक 2 के अलावा, आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए कुछ अन्य मार्ग ल्यूक के लिए अद्वितीय हैं, और उनमें से एक ल्यूक अध्याय 10 है।

हम पहले ही इस सेमेस्टर की शुरुआत में अच्छे सामरी के दृष्टांत के बारे में बात कर चुके हैं, उदाहरण के तौर पर कि कैसे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझना हमारे दृष्टांत को पढ़ने के तरीके को उजागर कर सकता है। उदाहरण के लिए, जैसा कि मैंने कहा, हमने सामरी को एक नायक और वांछनीय व्यक्ति बनाने के लिए पालतू बनाया है, लेकिन पहली शताब्दी में ऐसा नहीं होता। कम से कम यहूदी पाठकों के लिए सामरी लोगों का उल्लेख बहुत ही तिरस्कार और अरुचि के साथ किया गया होगा।

सामरी यीशु की कहानियों में से एक का सबसे कम संभावित नायक था। इसने पाठकों को विचलित कर दिया होगा। उन्हें इस बात से निराशा हुई होगी कि एक सामरी कहानी के नायक के रूप में उभरा, न कि उनके यहूदी नायकों या पुजारियों या लेवियों जैसे नेताओं में से एक।

लेकिन फिर, ऐसा क्यों है कि केवल ल्यूक ही इस कहानी को शामिल करता है? खैर, शायद मैथ्यू ने इसके बारे में नहीं सुना था। यह संभव है। शायद मार्क को इसका पता नहीं था।

शायद उन्होंने किया। लेकिन फिर, यह ल्यूक के उद्देश्य को पूरी तरह से फिट बैठता है कि मुक्ति, फिर से, सामाजिक बहिष्कार तक जाती है। तो, यह प्रशंसनीय है कि ल्यूक यीशु द्वारा बताए गए एक दृष्टांत को शामिल करेगा जिसमें एक सामरी कहानी के नायक के रूप में उभरा है, क्योंकि

यह उसके सुसमाचार के जोरों में से एक है, कि यीशु उद्धारकर्ता है, समाज के अभिजात वर्ग के लिए नहीं या लोकप्रिय, लेकिन यीशु सामाजिक रूप से बहिष्कृत और घृणित लोगों के लिए उद्धारकर्ता हैं, जिन्हें बाकी सभी लोग अस्वीकार करते हैं।

इसके साथ कुछ अन्य दिलचस्प कहानियाँ भी हैं, ल्यूक भी है, यह एक दृष्टांत नहीं है, लेकिन यह ल्यूक 10 में इस जोर के साथ चलता है। ल्यूक एकमात्र सुसमाचार है जिसमें एक और दिलचस्प कहानी है, फिर से, शायद अन्य सुसमाचारों को इसके बारे में पता नहीं था, लेकिन शायद उन्हें पता था और उन्होंने इसे शामिल नहीं किया, लेकिन यह निश्चित रूप से ल्यूक के उद्देश्य पर फिट बैठता है। यीशु के जीवन में एक उदाहरण है जहां उन्होंने कुछ रोग से पीड़ित 10 लोगों को ठीक किया।

उस दिन कुछ रोग एक गंभीर त्वचा रोग था। पुराने नियम के कानून के तहत, आप अशुद्ध थे और आपको मूल रूप से समाज से निकाल दिया गया था और पुराने नियम के कानून के तहत आपको समाज में वापस कैसे एकीकृत किया जा सकता है, इसके लिए सख्त नियम थे। तो फिर से, ध्यान दें कि ल्यूक ने यीशु को कुछ रोगियों की सेवा करते हुए दिखाया है, जो सामाजिक रूप से बहिष्कृत होंगे, लेकिन यह दिलचस्प है कि यीशु द्वारा कुछ रोग से पीड़ित इन 10 लोगों को ठीक करने के बाद, यह कहता है कि वे सभी बहुत खुश और रोमांचित हैं, वे भाग जाते हैं, और एक उनमें से यीशु ने जो किया उसके लिए उसे धन्यवाद देने के लिए वापस आता है।

क्या किसी को याद है कि वह कौन था? पाठ हमें स्पष्ट रूप से बताता है. यह एक सामरी था. बहुत अच्छा।

यह एक सामरी था जो इन 10 कोढ़ियों में से वापस आया था, केवल एक ही जो उसने किया उसके लिए यीशु को धन्यवाद देने के लिए वापस आया था, और वह एक सामरी था। फिर से, ल्यूक के इस जोर के अनुरूप कि सुसमाचार, यीशु वंचितों, समाज के हाशिए पर रहने वाले लोगों, अवांछनीयताओं, सामाजिक बहिष्कृतों और समाज के अनुपयुक्त लोगों तक पहुंचता है। ये वे लोग हैं जिनसे ल्यूक लगातार यीशु को संपर्क करने के लिए कहता है।

एक और उदाहरण जो इतना अधिक नहीं है, कोई दृष्टांत नहीं है, लेकिन फिर, यह कुछ ऐसा है जो केवल ल्यूक के पास है। क्या आपको जक्कई की कहानी याद है? मुझे नहीं पता कि आप अब भी वह गाना गाते हैं या नहीं। वे अभी भी संडे स्कूल में वह गाना गाते हैं, जक्कई एक छोटा आदमी था, और मैं आपके लिए वह गाना नहीं गाने जा रहा, इसलिए चिंता न करें।

लेकिन, इसका महत्व यह है कि, नंबर एक, ल्यूक ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जिसके पास वह कहानी है। यह मैथ्यू या मार्क में नहीं है. यह जॉन में नहीं है.

यह केवल ल्यूक के पास है। लेकिन, यह उनके उद्देश्य पर पूरी तरह से फिट बैठता है, क्योंकि फिर से, कर संग्रहकर्ताओं को चरवाहों की तुलना में सामाजिक स्तर पर बहुत अधिक अंक नहीं मिले होंगे। अधिकांश कर संग्राहक जो रोमन सरकार के लिए काम करते थे, और विशेष रूप से यहूदियों के बीच बहुत अच्छे संबंध नहीं थे, वे उन्हें बहुत अच्छी दृष्टि से नहीं देखते थे।

और अक्सर, एक कर संग्राहक, न केवल रोमन साम्राज्य और रोमन सरकार के लिए धन इकट्ठा कर रहे थे, बल्कि वे आम तौर पर, और मेज के नीचे अपने लिए भी धन इकट्ठा कर रहे होते थे। तो, कर संग्राहकों के साथ लगभग उसी तरह से व्यवहार किया गया होगा, हालाँकि वे बहुत अमीर रहे होंगे, उन्हें उसी तरह से देखा गया होगा जैसे सामरियों और चरवाहों और कोढ़ियों को देखा जाता होगा। वे पापी, अवांछनीय और अछूत थे, लेकिन यीशु को इस प्रकार के लोगों तक पहुँचने के लिए चित्रित किया गया है, और सुसमाचार उन तक भी पहुँचता है।

तो, आप देखिए, ल्यूक 2 से शुरू करते हुए, चरवाहों के यीशु से मिलने आने के साथ, वह विषय बस उठाया जाता रहता है। यह सामरियों को जाता है, कोढ़ियों को, और यहाँ तक कि कर वसूलने वालों को भी यीशु की सेवकाई प्राप्त होती है। इसलिए, ल्यूक इस बिंदु को घर तक पहुँचाने की कोशिश कर रहा है, कि सुसमाचार सामाजिक रूप से बहिष्कृत और अवांछनीय लोगों तक जाता है, न कि केवल अमीर या अभिजात वर्ग या उस समय के धार्मिक प्रतिष्ठान तक।

अध्याय 15, हाँ, आगे बढ़ें। कोढ़ी, मेरे सिर के ऊपर से, मैं नहीं सोच सकता कि वे कहाँ से हैं, वे किस अध्याय में हैं। यह मेरे पास आ सकता है।

अगर ऐसा होता है तो मैं आपको बता दूंगा. नहीं, जककई अध्याय 10 भी नहीं है। मुझे लगता है कि वह अध्याय 19 या उसके जैसा ही कुछ है।

अगला भाग जिसे मैं संक्षेप में देखना चाहता हूँ वह दृष्टान्तों के संबंध में है। ल्यूक की अनूठी विशेषताओं में से एक यह है कि ल्यूक के पास कई दृष्टान्त हैं जो आपको अन्य सुसमाचारों में नहीं मिलते हैं। ल्यूक ने कई बार यीशु को दृष्टान्तों में शिक्षा दी है।

उनमें से कुछ मैथ्यू में आपको जो मिलता है, उससे मेल खाते हैं, लेकिन ल्यूक ने यीशु को कई दृष्टान्त सिखाए हैं जो आपको किसी भी अन्य सुसमाचार में नहीं मिलते हैं। उनमें से एक ल्यूक अध्याय 15 में पाए गए तीन दृष्टान्त हैं, जहां यीशु तीन दृष्टान्त बताते हैं। सबसे पहले, पहला दृष्टान्त एक खोई हुई भेड़ का दृष्टान्त है, जहां आपको शेपर्ड की कहानी याद आती है, जो अपनी सभी भेड़ों को अंदर लाता है और 100 भेड़ों में से केवल 99 ही अंदर आती हैं, और वह बाहर जाता है और एक की तलाश करता है वह तब तक खो जाता है जब तक वह उसे पा न ले।

फिर अगला दृष्टान्त खोये हुए सिक्के का दृष्टान्त है। एक महिला का एक सिक्का खो जाता है और वह अपने घर में झाड़ु लगाती है और उसे तब तक उलट-पुलट करती है जब तक कि उसे वह सिक्का नहीं मिल जाता। और इन दोनों दृष्टान्तों का विषय सिक्के या भेड़ पर इतना अधिक केन्द्रित नहीं है।

जोर उस खुशी पर है जो इसके पाए जाने पर होती है ताकि शेपर्ड को खुशी हो जब उसे यह खोई हुई भेड़ मिल जाए। यह महिला एक पार्टी आयोजित करती है और अपने दोस्तों को सिर्फ इसलिए जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करती है क्योंकि उसे अपना खोया हुआ सिक्का मिल गया है। इसलिए, ल्यूक 15 में इन दृष्टान्तों में आनन्द मनाने पर जोर दिया गया है क्योंकि कुछ खोया हुआ अब मिल गया है।

अब, यदि आप प्रश्न पूछें, यीशु ने ये दृष्टान्त क्यों सुनाए? ल्यूक अध्याय 15 के पहले दो छंदों पर वापस जाएँ। यह हमें बताता है कि यीशु इन कुछ अवांछनीय सामाजिक बहिष्कृत लोगों के साथ घूम रहा था। वह चुंगी लेनेवालों और पापियों के साथ घूमता और भोजन करता था।

और इसमें फरीसी थे। क्या आपको सेमेस्टर की शुरुआत में हमारी चर्चा के फरीसियों की याद है? फरीसी वे लोग थे जो पवित्रता का अनुसरण करते थे। उन्होंने कानून बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करके रोमन शासन और उस समय की स्थिति का जवाब दिया।

उन्होंने सोचा कि व्यक्तिगत शुद्धता, अनुष्ठानिक पवित्रता और कानून का पालन करने पर ध्यान केंद्रित करने से परिवर्तन आएगा। इसलिए, वे यीशु को समाज के इन घृणित तत्वों जैसे कर वसूलने वालों और पापियों और सामरियों और उस जैसे लोगों के साथ जुड़ते हुए देखते हैं, और वे सभी परेशान हैं। और वे आश्चर्य करते हैं कि दुनिया में यह व्यक्ति ऐसा क्यों करता है, आप जानते हैं, यदि वह वास्तव में हम में से एक होता, तो निश्चित रूप से वह कानूनों, पुराने नियम के कानूनों को जानता होता, और वह निश्चित रूप से इस तरह के लोगों, विशेष रूप से इन कर संग्राहकों के साथ नहीं जुड़ता। वे हमारे शत्रु हैं और हमें लूट रहे हैं।

तो, उसके जवाब में, यीशु एक दृष्टान्त कहते हैं, ये दृष्टान्त। और मूलतः, जोर इस बात पर है कि यीशु को इनके साथ जुड़ना चाहिए क्योंकि इसीलिए उसे भेजा गया है। उन्हें ऐसे ही लोगों को बचाने के लिए भेजा गया है, यहां तक कि इन सामाजिक बहिष्कृत लोगों को भी।

और फरीसियों को बड़बड़ाने, शिकायत करने और यीशु की आलोचना करने के बजाय, खुश होना चाहिए क्योंकि यह मुक्ति अब फैल रही है और इन लोगों तक पहुंच रही है, यहां तक कि कर वसूलने वालों और पापियों जैसे लोगों तक भी। इसलिए, फरीसियों को परेशान और शिकायत नहीं करनी चाहिए। उन्हें खुश होना चाहिए।

और दृष्टान्त, इसीलिए यीशु ये दृष्टान्त कहते हैं। जिस प्रकार एक महिला को एक सिक्का मिलने पर खुशी होती है, उसी तरह एक चरवाहा को एक भेड़ मिलने पर खुशी होती है, निश्चित रूप से, उन्हें किसी बड़ी चीज पर खुशी मनानी चाहिए जब कोई खोया हुआ व्यक्ति अब मिल जाता है और उसके साथ संबंध बहाल करता है ईश्वर। लेकिन इन दृष्टान्तों का चरमोत्कर्ष अंतिम, तीसरे में आता है, और वह दृष्टान्त है, हम इसे उड़ाऊ पुत्र का दृष्टान्त कहते हैं।

मुझे नहीं लगता कि मेरे पास इसमें कोई पॉवरपॉइंट है। नहीं, मैं नहीं करता. उड़ाऊ पुत्र का दृष्टान्त.

दिलचस्प बात यह है कि जब आप इस दृष्टान्त को पढ़ते हैं, तो आमतौर पर पुत्र, उड़ाऊ पुत्र, सबसे छोटे बेटे पर ही सारा ध्यान जाता है। और आप कहानी अच्छी तरह से जानते हैं. पुत्र, तथाकथित उड़ाऊ पुत्र, अपने पिता के पास जाता है और उसकी विरासत मांगता है, जो कुछ लोगों का सुझाव है कि उसकी मृत्यु की कामना करने के बराबर होगा क्योंकि पिता की मृत्यु पर ही पुत्र को उसकी पूरी विरासत प्राप्त होगी .

लेकिन जो भी हो, यह निश्चित रूप से अत्यधिक अनादर का संकेत है। और इसलिए, बेटा भाग जाता है और अपनी सारी संपत्ति बर्बाद कर देता है और सूअरों को खाना खिलाता है और चाहता है कि वह वह खाना खा सके जो वह सूअरों को खिलाता है। अंत में, वह अपने होश में आता है और सोचता है, मैं अपने पिता के पास वापस जा रहा हूँ और उम्मीद है कि मेरे पिता कम से कम मुझे गुलाम के रूप में वापस स्वीकार करेंगे।

भले ही वह स्वीकार नहीं करेगा कि मैं अभी भी उसका बेटा हूँ, हो सकता है कि वह मुझे गुलाम के रूप में काम पर रख ले क्योंकि इन सूअरों को खिलाने और वे जो खा रहे हैं उसे खाने की इच्छा करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। तो, वह अपने पिता के पास वापस चला जाता है और आप कहानी अच्छी तरह से जानते हैं। पिता उसका स्वागत करने के लिए दौड़ते हैं।

पृष्ठभूमि की थोड़ी सी जानकारी. सबसे अधिक संभावना है, मैं इस दृष्टांत को पढ़ता था, और मेरी पत्नी का पालन-पोषण दक्षिणपूर्वी मोंटाना में हुआ था, जहाँ यदि आप कभी गए हों, तो कभी-कभी आपके पड़ोसी वस्तुतः 20-30 मील दूर होते थे। वह आपका अगला पड़ोसी था, खेत, जो 20 मील दूर हो सकता था।

और कभी-कभी मुख्य सड़क से हटकर रास्ता, मुख्य सड़क जो गंदगी भरी थी, रास्ता, आपको घर, रेंच हाउस तक पहुंचने में पांच मील और लग जाते थे। आप इसे सड़क से भी नहीं देख सकते थे। और मैं उनके बारे में सोचता था, मैं इस दृष्टांत को उस प्रकाश में पढ़ता था कि यह आदमी मोंटाना या किसी अन्य स्थान के बीच में एक पशुपालक की तरह था।

हालाँकि, सबसे अधिक संभावना यह है कि यह व्यक्ति मध्य पूर्व के एक विशिष्ट शहर में रह रहा था। और हर कोई, न केवल शायद हर कोई जानता था कि बेटे ने उसके साथ क्या किया, बल्कि जब वह अपने बेटे का स्वागत करने के लिए बाहर भागा तो संभवतः हर कोई देख रहा था। और यदि आप प्राचीन निकट पूर्व में एक धनी पिता थे और आपके बेटे ने आपके साथ ऐसा व्यवहार किया था, तो आप बाहर भागकर उसका स्वागत नहीं करते थे।

फिर भी इस कहानी में पिता बिल्कुल यही करता है। और यही पूरी बात है। पिता ने बाहर जाकर अपने बेटे को वापस पाकर पूरे समुदाय के सामने भी खुद को अपमानित किया।

लेकिन पूरी बात यही है. कि भले ही मनुष्य का पिता ऐसा न करे, परन्तु परमेश्वर ऐसा करता है। जब भी वह किसी पापी को स्वीकार करता है जिसने उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया है जैसा हमने किया है, तो भगवान भी उसी तरह से अपने आप को नम्र बनाते हैं और जो कोई भी पश्चाताप में उसकी ओर मुड़ता है उसे वापस स्वीकार करता है।

लेकिन जो चीज़ हम अक्सर चूक जाते हैं वह यह है कि हम उड़ाऊ और पिता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। जो बात हम अक्सर भूल जाते हैं वह यह है कि इस दृष्टान्त में एक तीसरा पात्र भी है। क्या किसी को पता है यह कौन है? याद रखें यह कौन है? यह सबसे बड़ा बेटा है.

और बड़े बेटे के साथ पिता की बातचीत बाकी दृष्टांत पर हावी है। और निःसंदेह, बड़ा बेटा अंदर आता है और आश्चर्य करता है कि क्या हो रहा है। वह देखता है कि पिता छोटे बेटे के लिए इतनी बड़ी पार्टी का आयोजन कर रहा है।

इस छोटे बेटे ने, जिसने उसके साथ विश्वासघात किया और उसका धन उड़ा दिया, उसके साथ अनादर का व्यवहार किया। और अब पिता उसे वापस बेटे के रूप में स्वीकार करता है और यह पार्टी देता है और इससे बड़े बेटे को ईर्ष्या और गुस्सा आता है। किस कारण के लिए? खैर, छोटा बेटा इस लायक नहीं था।

छोटा बेटा सज़ा का हकदार है और गुलाम जैसा व्यवहार किये जाने का भी हकदार नहीं है। और जो दिलचस्प है वह यह है कि पिता का अंत होता है, या दृष्टांत का अंत होता है, जिसमें पिता सबसे बड़े बेटे को संबोधित करता है जो जो कुछ भी हो रहा है उसके बारे में बहुत ईर्ष्या करता है। और यही वह उससे कहता है।

वह कहता है, बेटा, तब पिता ने बड़े बेटे से कहा, बेटा तू सदैव मेरे साथ है और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा है, परन्तु हमें उत्सव मनाना और आनन्द करना था क्योंकि तेरा यह भाई मर गया था और जीवित हो गया है। वह खो गया था और वह मिल गया है। दृष्टांत का अंत और फिर ल्यूक अध्याय 16।

अब जब आप इसे सुनते हैं, तो इस दृष्टांत में क्या कमी है? वास्तव में कुछ कमी है। यदि आप यह कहानी पहली बार पढ़ते हैं तो तनाव लगभग स्पष्ट है। मुझे लगता है कि हम इसके इतने आदी हो गए हैं और हमारा ध्यान उड़ाऊ पुत्र और पिता पर इतना केंद्रित हो गया है कि हमें इसकी याद आती है।

लेकिन फिर भी, आपका यह बड़ा बेटा है। वह बाहर फील्ड में काम कर रहा है। वह सुनता है कि यह पार्टी चल रही है।

वह इसे देखने आता है और वह कहता है, क्या हो रहा है? आपके इस बेटे ने आपके साथ ऐसा व्यवहार किया और आपने उसके लिए पार्टी रखी? मेरा क्या? और पिता कहते हैं, तुम तो सदैव मेरे साथ रहे हो, परन्तु हमें आनन्द तो मनाना ही था, क्योंकि तुम्हारा यह भाई खो गया था और अब मिल गया है। वह मर चुका था और अब वह जीवित है। दृष्टांत का अंत।

क्या नहीं हैं? आपमें से जो साहित्यिक आलोचक कहानियों का विश्लेषण करने में माहिर हैं, उनके लिए इस दृष्टांत में क्या कमी है? हाँ, बड़े भाई की क्या प्रतिक्रिया है? क्या वह पार्टी में शामिल हुए? पिता उन्हें पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। वह शामिल हुआ या नहीं? या क्या वह वापस मैदान में चला गया? दृष्टांत आपको नहीं बताता। यह लगभग वैसा ही है जैसे कि दृष्टांत जानबूझकर खुला है, इसलिए फरीसी उचित प्रतिक्रिया देंगे।

वे, एक अर्थ में, दृष्टांत को समाप्त कर देंगे। क्या वे जवाब देंगे? जब कोई चुंगी लेने वाला या पापी पश्चाताप करता है और परमेश्वर उस पर अनुग्रह करता है, तो क्या वे आनन्दित होंगे और आनन्द में शामिल होंगे? या क्या वे शिकायत करते रहेंगे और खुद को यीशु और दुनिया को बचाने के

भगवान के उद्देश्य से दूर करते रहेंगे? तो, दृष्टान्त, मुझे लगता है कि यह जानबूझकर किया गया है, यीशु ने पाठकों से इसे समाप्त करने के लिए कहने के लिए दृष्टान्त को खुला छोड़ दिया है। क्या वे खुशी मनाने में शामिल होंगे क्योंकि ईश्वर अपनी कृपा ऐसे व्यक्ति पर करता है जो इसके योग्य नहीं है या क्या वे शिकायत करते रहेंगे और इसलिए खुद को यीशु से दूर कर लेंगे? ठीक है।

ये ल्यूक के कुछ अनूठे पाठ हैं। मुझे लगता है कि आपकी प्रश्नोत्तरी में से एक प्रश्न, लेकिन उम्मीद है कि आपने अपने पढ़ने से यह सीखा होगा कि ल्यूक के बारे में दिलचस्प क्या है? ल्यूक का आधा हिस्सा, ल्यूक का आधा सुसमाचार कहीं और नहीं मिलता है। मैथ्यू के बाकी हिस्सों में, यह मार्क या जॉन में नहीं पाया जाता है।

तो, ल्यूक के पास बहुत सारी सामग्री है जो उसके लिए बहुत अनोखी है। लेकिन ल्यूक के सुसमाचार के बारे में क्या अनोखा है? ऐसे कौन से विषय हैं जिन्हें ल्यूक संप्रेषित करने का प्रयास करता है और वह इस बात पर जोर देता है कि वे अन्य सुसमाचारों में मौजूद नहीं हैं या कम से कम उसी हद तक मौजूद नहीं हैं? या कम से कम भले ही उन पर किसी अन्य सुसमाचार में जोर दिया गया हो, ल्यूक उन पर भी जोर देना चाहता है। सबसे पहले, जैसा कि हम पहले ही देख चुके हैं, ल्यूक का जोर ल्यूक अध्याय 2, यीशु के जन्म से शुरू होता है।

और मैं अध्याय 1 का सुझाव भी दूँगा। अध्याय 1 कम विनम्र नहीं है, यह अध्याय 2 की तुलना में कम विनम्र परिस्थितियों में घटित नहीं होता है। लेकिन ल्यूक इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि यीशु, यीशु को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित करते हैं जो समाज से बहिष्कृत लोगों के प्रति दया रखता है। फिर, हम पहले ही यीशु को देख चुके हैं, ये चरवाहे हैं, ये अपमानजनक, घृणित चरवाहे हैं जो ल्यूक अध्याय 2 में आते हैं और यीशु की पूजा करते हैं। यीशु को फरीसियों ने कर वसूलने वालों और पापियों के साथ मिला हुआ पाया है।

उसके पास जक्कईस आया है और वह वास्तव में जाता है और जक्कई नामक कर संग्राहक के साथ भोजन करता है। यीशु ही वह है जो कोढ़ियों को ठीक करता है। सामरी यीशु के दृष्टान्त का नायक है।

इसलिए, ल्यूक में यीशु को लगातार सामाजिक लोगों तक पहुँचने और समाज से बहिष्कृत लोगों के लिए, सामाजिक रूप से बहिष्कृत लोगों के लिए करुणा रखने वाले के रूप में चित्रित किया गया है। फिर से, यीशु को उन लोगों के साथ जुड़ने के रूप में चित्रित किया गया है जिन्हें शायद पुराने नियम के कानून आदि के तहत निषिद्ध किया गया होगा। यीशु को प्राथमिक तरीके के रूप में भी चित्रित किया गया है जिससे ल्यूक यीशु को चित्रित करना चाहता है।

यदि मैथ्यू यीशु को मुख्य रूप से यहूदी और अन्यजातियों के लिए डेविड के पुत्र के साथ-साथ नए मूसा और शिक्षक के रूप में चित्रित करता है। यदि मार्क यीशु, मानवता और देवता के बीच संतुलन का चित्रण करता है। ल्यूक ने यीशु को दुनिया के उद्धारकर्ता के रूप में चित्रित किया है।

ऐसा लगता है कि यह वास्तव में ल्यूक के पसंदीदा शब्दों में से एक है, बचाने वाला शब्द या बचाने की क्रिया, बचाना। वह किसी भी अन्य सुसमाचार लेखन की तुलना में आनुपातिक रूप से इसका

अधिक उपयोग करता है। इसलिए, ल्यूक ने यीशु को ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित किया जो दुनिया में मुक्ति लाता है।

वह दुनिया का उद्धारकर्ता है, विशेष रूप से इन सामाजिक अनुपयुक्तों और कर संग्रहकर्ताओं और पापियों आदि जैसे सामाजिक बहिष्कृत लोगों का। यीशु को पुराने नियम को पूरा करने वाले के रूप में भी चित्रित किया गया है। यदि आपको याद हो, तो सुसमाचार के अंत में, इसके चरमोत्कर्ष पर, अपने पुनरुत्थान के बाद यीशु दो व्यक्तियों के साथ प्रकट होते हैं जो एम्मास रोड के नाम से जाने जाते हैं।

यीशु उनके बीच में प्रकट होता है और वे समझ नहीं पाते, वे तुरंत समझ नहीं पाते कि यह कौन है। परन्तु यह कहता है, कि तब यीशु ने व्यवस्था, और लेखों, और भविष्यद्वक्ताओं से समझाया, कि वे सब उसके विषय में कैसे बोलते थे। दूसरे शब्दों में, ल्यूक ने मैथ्यू की तरह यीशु को ईश्वर के रहस्योद्घाटन के चरमोत्कर्ष के रूप में चित्रित किया।

अर्थात्, पुराने नियम के धर्मग्रन्थ के लक्ष्य और पूर्ति के रूप में। और इसलिए, मैथ्यू की तरह, ल्यूक की तरह, यीशु को डेविड के पुत्र के रूप में चित्रित किया गया है। यह उन विषयों में से एक है जिसे ल्यूक मैथ्यू के साथ साझा करता है।

मैथ्यू ने यीशु के बारे में मसीहा और राजा के रूप में अधिक चर्चा की है, कभी-कभी फिर से उसके पास एक मजबूत गैर-यहूदी जोर है। लेकिन ल्यूक इसी तरह यीशु को चित्रित करता है, खासकर पहले दो अध्यायों में। ल्यूक ने यीशु को दाऊद के पुत्र के रूप में चित्रित किया है, पुराने नियम के एक दाऊदकालीन राजा के वादे को पूरा करते हुए, जो सिंहासन पर बैठेगा और इसराइल पर शासन करेगा, लेकिन अंततः पूरी सृष्टि पर शासन करेगा।

इसलिए, यीशु को मसीहा के उन वादों की पूर्ति के रूप में चित्रित किया गया है। ल्यूक में एक और जोर इस बात पर दिया गया है कि यह पहली सदी या मोटे तौर पर पहली सदी के सिक्के की एक तस्वीर मात्र है। ल्यूक का एक और जोर धन और संपत्ति पर है।

न केवल यीशु के कई दृष्टांत इसी ओर निर्देशित हैं, बल्कि ध्यान दें कि जब आप ल्यूक को पढ़ते हैं, जो आपको अब तक करना चाहिए था, तो क्या आपने देखा कि कितने दृष्टांत धन और धन के मुद्दों को संबोधित करते हैं? इसके अलावा, फिर से जक्कई पर वापस। एक कर संग्राहक के रूप में जक्कई एक काफी धनी व्यक्ति है। और कहानी के अनुसार, यीशु से मिलने के बाद और जब वह विश्वास में यीशु के प्रति प्रतिक्रिया करता है और यीशु मसीह का अनुयायी बन जाता है, तो वह अपनी आधी संपत्ति बेच देता है या अपनी आधी संपत्ति गरीबों को दे देता है।

और यहां तक कि जो कुछ भी उसने किसी से चुराया है, लोगों से छीना है, उसे वह चार गुना वापस लौटाता है। और मुझे लगता है कि इतना सब कुछ होने के बाद भी वह काफी अमीर था। लेकिन जक्कई को एक धनी व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया है।

अब इस बारे में कई सुझाव आए हैं कि ऐसा क्यों है कि मैं फिलहाल इसे स्पष्ट करने की कोशिश में दिलचस्पी नहीं ले रहा हूं। लेकिन कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह इस तथ्य को प्रतिबिंबित

कर सकता है कि ल्यूक ईसाई समुदाय के धनी सदस्यों को संबोधित कर रहा है। या कम से कम यह धन पर जोर देने से उनके दर्शकों का हिस्सा है।

फिर भी, ल्यूक स्पष्ट रूप से, अपने गॉस्पेल में, ल्यूक स्पष्ट रूप से, विशेष रूप से जक्कियस की कहानी में प्रदर्शित किया गया है, ल्यूक मुख्य रूप से धन की जमाखोरी के खिलाफ है और इसके बजाय गरीबों के साथ धन साझा करने पर जोर देता है, जो सामाजिक बहिष्कार आदि पर उसके जोर से मेल खाता है। लेकिन धन पर ल्यूक की शिक्षा में, धन की जमाखोरी और धन के संग्रह की निंदा करने और इसके बजाय इसे गरीबों के साथ साझा करने के इच्छुक होने पर जोर दिया गया है। तो, पहचानें कि ल्यूक के प्राथमिक विषयों में से एक भौतिक संपत्ति, धन और पैसा है।

और फिर, यह दर्शकों या कम से कम दर्शकों के उस हिस्से के कारण हो सकता है जिसे ल्यूक संबोधित कर रहा था। और अंत में, मेरे पास आखिरी स्लाइड के लिए कोई स्लाइड नहीं है। अंत में, ल्यूक, पूरे ल्यूक में जिन विषयों पर जोर दिया गया है उनमें से एक प्रार्थना और प्रशंसा का विषय है।

इसलिए सबसे पहले, उदाहरण के लिए, सबसे पहले, ल्यूक, अन्य गॉस्पेल से अधिक, यीशु को उसके जीवन के प्रमुख बिंदुओं पर प्रार्थना करते हुए चित्रित करता है, विशेष रूप से उसकी गिरफ्तारी और सूली पर चढ़ने से पहले गेथसमेन के बगीचे में यीशु की प्रार्थना का लंबा विवरण। और यह विषय, प्रार्थना और स्तुति, अधिनियमों की पुस्तक में भी जारी है। लेकिन यीशु को अपने जीवन के प्रमुख बिंदुओं और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रार्थना करते हुए चित्रित किया गया है।

लेकिन साथ ही, अध्याय 1 और 2 से शुरू करते हुए, और विशेष रूप से यदि आप पीछे जाते हैं और अध्याय 1 और 2 पढ़ते हैं, तो ध्यान दें कि कितनी बार व्यक्ति प्रशंसा के भजनों के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। सबसे अच्छा, सबसे प्रसिद्ध मैरीज़ द मैग्निफ़िकैट है। अध्याय 1 पढ़ें। यहां तक कि चरवाहे भी, जब स्वर्गदूत चरवाहों को दिखाई देते हैं, तो वे एक भजन गाते हैं, सर्वोच्च ईश्वर की महिमा।

चरवाहे परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए लौट आए। तो, पूरे सुसमाचार में, आपका जोर इस तथ्य पर है कि ईश्वर जो मुक्ति प्रदान करता है, ईश्वर दुनिया का उद्धारकर्ता है, उसमें शिकायत की प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए क्योंकि ईश्वर उन लोगों तक पहुंच रहा है जो इसके लायक नहीं हैं, बल्कि इसके बजाय भगवान के लोगों में प्रशंसा और पूजा की प्रतिक्रिया उत्पन्न होनी चाहिए। और ऐसा प्रतीत होता है कि प्रार्थना और स्तुति में ल्यूक द्वारा इस पर बहुत महत्वपूर्ण जोर दिया गया है।

ठीक है। ल्यूक के संबंध में अन्य विषय भी हैं जिन पर हम शायद जोर दे सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने उन प्रमुख विषयों पर बात करने की कोशिश की है जिन्हें आपको जानना आवश्यक है। कोई प्रश्न?

यह डॉ. डेव मैथ्यूसन ल्यूक पर न्यू टेस्टामेंट इतिहास और साहित्य व्याख्यान संख्या 10 प्रस्तुत कर रहे हैं: इसकी पृष्ठभूमि और विषय।